करेंट अफेयर्स

छत्तीसगढ़

(संग्रह)

मई

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़

- भारत का पहला AI-आधारित डाटा पार्क 3
- ऑपरेशन संकल्प 4
- छत्तीसगढ़ में PMAY-G 5
- भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य 7
- करेगुट्टालु पहाड़ी पर माओवादी विरोधी अभियान 9
- उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व 10
- ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट 12
- पोलावरम परियोजना 14

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

छत्तीसगढ़

भारत का पहला AI-आधारित डाटा पार्क

चर्चा में क्यों?

4 मई, 2025 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में <u>**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एडेड डाटा सेंटर पार्क**</u> **का उद्घाटन किया।**

मुख्य बिंदु

- **पहल के बारे में:**
  - भारत में अपनी तरह की इस पहल को 1,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित किया जा रहा है, जिसका उपयोग दो वर्षों में किया जाएगा।
  - 13.5 एकड़ के इस पार्क में 2.7 हेक्टेयर का <u>**विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)**</u> शामिल है, जो विशेष रूप से एआई-आधारित सेवाओं के लिये समर्पित है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र क्या है?

- **विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)** एक **भौगोलिक क्षेत्र** है जिसमें **आर्थिक कानून** मौजूद हैं जो **देश के घरेलू आर्थिक कानूनों की तुलना में अधिक उदार** हैं।
  - श्रेणी 'SEZ' में अधिक विशिष्ट प्रकारों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है, जिनमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं, लेकिन यह केवल इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:
    - मुक्त व्यापार क्षेत्र (FTZ)
    - **निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (EPZ)**
    - मुक्त क्षेत्र (FZ)
    - औद्योगिक संपदा (IE)
- भारत एशिया में निर्यात को बढ़ावा देने में निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र मॉडल की प्रभावशीलता को पहचानने वाले पहले देशों में से एक था, **एशिया का पहला EPZ वर्ष 1965 में कांडला, गुजरात में स्थापित** किया गया था।

- **जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना:**
  - एआई डाटा सेंटर पार्क को **छत्तीसगढ़ में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में देखा गया है।**
  - **इसका उद्देश्य कृषि और शिक्षा में एआई-संचालित उन्नत समाधान** प्रदान करना है, जिससे छात्रों, किसानों और ग्रामीण आबादी को सीधे लाभ पहुँचे।
- **कार्यनीतिक दृष्टि:**
  - यह छत्तीसगढ़ द्वारा <u>**डिजिटल शासन**</u> और **सार्वजनिक सेवा में रूपांतरण** की दिशा में उठाया गया एक का पत्थर सिद्ध होगा।
  - सरकार राज्य में **सेवा वितरण, संसाधन प्रबंधन और आर्थिक उत्पादकता** बढ़ाने के लिये **एआई का उपयोग करने की योजना बना रही है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्कूलों में डाटा एआई क्लबों का निर्माण और शैक्षिक साझेदारी** जैसी पूरक पहलों का उद्देश्य **डिजिटल साक्षरता** और **बुनियादी ढाँचें** को मज़बूत करना है।

ऑपरेशन संकल्प

चर्चा में क्यों ?

सुरक्षा बलों **ने** बड़े पैमाने पर आतंकवाद रोधी अभियान ऑपरेशन **संकल्प** के तहत **छत्तीसगढ़ के बीजापुर ज़िले के जंगलों** में मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों को मार गिराया।

प्रमुख बिंदु

- **ऑपरेशन संकल्प के बारे में:**
  - **सुरक्षा बलों ने माओवादी बटालियन नंबर 1, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (DKSZC)** और **माओवादियों की तेलंगाना राज्य समिति** के वरिष्ठ कैडरों की मौजूदगी के बारे में **खुफिया जानकारी** के आधार पर 21 अप्रैल को **ऑपरेशन संकल्प** शुरू किया था।
  - इस अभियान का लक्ष्य छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ियों और आसपास के वन क्षेत्रों में माओवादियों का गढ़ है।
- **सम्मिलित बल:**
  - इस अभियान में लगभग 28,000 सुरक्षाकर्मी भाग ले रहे हैं।
  - इनमें ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG), बस्तर फाइटर्स , **विशेष कार्य बल (STF), छत्तीसगढ़ पुलिस,** केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) **और इसकी विशिष्ट** कोबरा यूनिट **(दृढ़ कार्रवाई के लिये कमांडो बटालियन)** की इकाइयाँ शामिल हैं।

ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (डीआरजी) **छत्तीसगढ़ में एक विशेष पुलिस इकाई है, जिसे 2008 में माओवादी हिंसा से** निपटने के लिये स्थापित किया गया था।
- इसमें **विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्मिक शामिल होते हैं जो** प्रभावित ज़िलों में माओवाद-विरोधी अभियान चलाते हैं, **तलाशी और जब्ती करते हैं तथा खुफिया जानकारी** एकत्र करते हैं।
- माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने के लिये DRG केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) **जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करता है।**

- **कार्य क्षेत्र:**
  - यह अभियान **बीजापुर (छत्तीसगढ़)** और **मुलुगु तथा भद्राद्री-कोठागुडेम (तेलंगाना) तक विस्तृत लगभग 800 वर्ग किलोमीटर के जंगली और पहाड़ी क्षेत्रों में फैला हुआ है,** जो रायपुर से 450 किलोमीटर दूर स्थित है।
- **सेना द्वारा अधिकार क्षेत्र में:**
  - 400 से अधिक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (IED)
  - लगभग 2 टन **विस्फोटक सामग्री**
  - 6 टन से अधिक **राशन, दवाइयाँ, दैनिक उपयोग की वस्तुएँ और अन्य माओवादी सामान बरामद**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- सीआरपीएफ की स्थापना वर्ष 1939 में रियासतों में राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति के जवाब में **क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस** के रूप में की गई थी।
- वर्ष 1949 में इस बल का नाम बदलकर **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल** कर दिया गया।
- **तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने** CRPF के लिये एक बहुमुखी भूमिका की कल्पना की थी, तथा इसके कार्यों को नव स्वतंत्र राष्ट्र की उभरती जरूरतों के साथ संरेखित किया था।
- **कोबरा:**
  - यह **भारत के केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की एक विशेष ऑपरेशन इकाई है** जो गुरिल्ला रणनीति और जंगल युद्ध में कुशल है। मूल रूप से **नक्सलवादी आंदोलन का मुकाबला करने के लिये स्थापि**त किया गया था।
  - कोबरा को विषम युद्ध में संलग्न विद्रोही समूहों से निपटने के लिये तैनात किया गया है।

छत्तीसगढ़ में PMAY-G

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने रायपुर में **छत्तीसगढ़ सरकार** द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) और पीएम जनमन योजना **के कार्यान्वयन की समीक्षा की।**

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:**
  - **उन्होंने PMAY-G** और **पीएम जनमन योजना** के तहत घर की चाबियाँ वितरित कीं और 51,000 नए PMAY लाभार्थियों के लिये गृह प्रवेश समारोह का नेतृत्व किया।
  - उन्होंने ग्रामीण सशक्तीकरण में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले स्वयं सहायता समूह (SHGs) **के** सदस्यों और 'लखपति दीदियों' **को** भी सम्मानित किया।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G):**
  - वर्ष 2016 में शुरू की गई PMAY-G का उद्देश्य समाज के सबसे गरीब तबके को आवास उपलब्ध कराना है।
  - लाभार्थियों के चयन में **तीन चरणों की गहन सत्यापन प्रक्रिया शामिल है**, जिसमें **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011, ग्राम सभा अनुमोदन और जियो-टैगिंग** शामिल है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सहायता सबसे योग्य व्यक्तियों तक पहुँचे।
  - PMAY-G के तहत लाभार्थियों को मिलता है:
  - **वित्तीय सहायता:** मैदानी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपए तथा पूर्वोत्तर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों सहित पहाड़ी राज्यों में 1.30 लाख रुपए।
  - **शौचालयों के लिये अतिरिक्त सहायता:** स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण (SBM-G) या महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGNREGA) या किसी अन्य समर्पित वित्त पोषण स्रोत जैसी योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिये 12,000 रुपए।
  - **रोज़गार सहायता:** आवास निर्माण के लिये **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)** के माध्यम से लाभार्थियों के लिये 90/95 व्यक्ति-दिवस अकुशल मजदूरी रोज़गार का अनिवार्य प्रावधान।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **बुनियादी सुविधाएँ: प्रासंगिक योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से** पानी, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG) और बिजली कनेक्शन तक पहुँच।

पीएम-जनमन योजना

- पीएम-जनमन एक सरकारी योजना है, जिसका उद्देश्य **जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा में लाना** है।
- यह योजना (केंद्रीय क्षेत्र तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के एकीकरण) जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों एवं PVTG समुदायों के सहयोग से कार्यान्वित की जाएगी।
- यह योजना **9 संबंधित मंत्रालयों द्वारा देख-रेख किये जाने वाले 11 महत्त्वपूर्ण कार्यप्रणालियों** पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो PVTG वाले गाँवों में मौजूदा योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।

- इसमें **पीएम-आवास योजना** के तहत सुरक्षित आवास, **स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर** सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।
  - इस योजना में वन उपज के व्यापार के लिये **वन धन विकास केंद्रों** की स्थापना, 1 लाख घरों के लिये ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली तथा सौर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था शामिल है।

स्वयं सहायता समूह (SHGs)

- **परिचय:**
  - स्वयं सहायता समूह को समान सामाजिक-आर्थिक **पृष्ठभूमि वाले और सामूहिक रूप से एक सामान्य उद्देश्य को पूरा करने के इच्छुक लोगों के स्व-शासित, सहकर्मी-नियंत्रित** सूचना समूह के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
  - एक SHG में आमतौर पर **समान आर्थिक दृष्टिकोण और सामाजिक स्थिति वाले कम-से-कम पाँच व्यक्ति** (अधिकतम बीस) शामिल होते हैं।
- **भारत में स्वयं सहायता समूहों की उत्पत्ति:**
  - **प्रारंभिक प्रयास (1970 से पूर्व): सामूहिक कार्रवाई** और आपसी सहयोग के लिये विशेष रूप से महिलाओं के बीच अनौपचारिक SHG के उदाहरण थे।
  - **SEWA (1972):** इलाबेन भट्ट द्वारा स्थापित **स्व-रोज़गार महिला संघ (Self-Employed Women's Association- SEWA)** को अक्सर एक निर्णायक क्षण माना जाता है।
    - इसने गरीब और स्व-रोज़गार महिला श्रमिकों को संगठित किया, आय सृजन एवं समर्थन के लिये एक मंच प्रदान किया।
  - **MYRADA और पायलट कार्यक्रम (1980 के दशक के मध्य):** 1980 के दशक के मध्य में, मैसूर पुनर्वास और क्षेत्र विकास एजेंसियों (MYRADA) ने निर्धनों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को ऋण प्रदान करने के लिये एक माइक्रोफाइनेंस रणनीति के रूप में SHG की शुरुआत की।
  - **NABARD एवं SHG-बैंक लिंकेज (1992):** **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (National Bank for Agriculture and Rural Development- NABARD)** ने वर्ष 1992 में **SHG-बैंक लिंकेज** कार्यक्रम शुरू किया।
    - इस पहल ने SHG को **औपचारिक बैंकिंग संस्थानों** से जोड़ा गया, जिससे विभिन्न समूहों के लिये ऋण और वित्तीय सेवाओं तक पहुँच संभव हो गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सरकारी मान्यता (1990-वर्तमान):** 1990 के दशक से, सरकार ने **स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोज़गार योजना** (SGSY) और **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (National Rural Livelihoods Mission- NRLM)** जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से SHG को सक्रिय रूप से समर्थन दिया है।
  - इन पहलों ने भारत में SHG आंदोलन की पहुँच और प्रभाव में काफी विस्तार किया है।

भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों ?

भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य के कवर्धा रेंज में तेंदू पत्ता एकत्र करते समय भालू ने पीड़ितों पर हमला कर दिया।

मुख्य बिंदु

- **भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:**
  - भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य **छत्तीसगढ़ के कबीरधाम ज़िले में स्थित है।**
  - **यह सतपुड़ा पहाड़ियों की मैकाल श्रेणी** में स्थित है, जो अपनी समृद्ध जैवविविधता और अप्रभावित पारिस्थितिकी तंत्र के लिये जाना जाता है।
  - यह अभयारण्य लगभग 352 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - इसका नाम पास में स्थित 1,000 वर्ष से अधिक पुराने **प्राचीन भोरमदेव मंदिर** के नाम पर रखा गया है।
  - यह मंदिर **भगवान शिव को समर्पित है और** इसकी विशेष मूर्तियों के कारण इसे "छत्तीसगढ़ का खजुराहो" कहा जाता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:**
  - भोरमदेव कान्हा-अचानकमार वन्यजीव गलियारे का हिस्सा है, जो कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश) को अचानकमार वन्यजीव अभयारण्य (छत्तीसगढ़) से जोड़ता है।
  - इस भूभाग में लहरदार पहाड़ियाँ, घने जंगल और मौसमी नदियाँ शामिल हैं।
- **जल निकाय:**
  - **यह अभयारण्य फेन और संकरी नदियों** का उद्गम स्थल है, जो इसके वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखती हैं।
- **वनस्पति:**
  - **यहाँ उष्णकटिबंधीय नम और शुष्क पर्णपाती वनों** का मिश्रण है।
  - आम पेड़ों में साज (टर्मिनलिया टोमेंटोसा), **साल** (शोरिया रोबस्टा), **तेंदू** (डायोस्पायरोस मेलानॉक्सिलीन) और नीलगिरी (युकलिप्टस) शामिल हैं।
- **वन्य जीवन:**
  - यहाँ विविध प्रकार के जीव-जंतु निवास करते हैं जैसे बाघ, तेंदुए, भालू, **विभिन्न हिरण प्रजातियाँ और पक्षी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

- **अवस्थिति:** यह मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला (Mandla) और बालाघाट (Balaghat) में 940 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **इतिहास:** वर्तमान कान्हा क्षेत्र दो अभयारण्यों- हॉलन (Hallon) और बंजार (Banjar) में विभाजित था। वर्ष 1955 में इसे कान्हा नेशनल पार्क का दर्जा दिया गया तथा वर्ष 1973 में कान्हा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया।
  - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।

विशेषताएँ:

- **जीव-जंतु:**
  - मध्य प्रदेश का राजकीय पशु- हार्ड ग्राउंड बारहसिंगा या स्वैम्प डियर (Swamp deer or *Rucervus duvaucelii*) विशेष रूप से कान्हा टाइगर रिज़र्व में पाया जाता है।
  - अन्य प्रजातियों में टाइगर, तेंदुआ, भालू, गौर और भारतीय अजगर आदि शामिल हैं।
- **पेड़-पौधे:**
  - यह अपने सदाबहार साल के जंगलों (शोरिया रोबस्टा) के लिये जाना जाता है।
- यह भारत में आधिकारिक शुभंकर, "भूरसिंह द बारहसिंगा" (Bhoorsingh the Barasingha) का पहला टाइगर रिज़र्व है।

अचानकमार टाइगर रिज़र्व

- यह छत्तीसगढ़ के **बिलासपुर ज़िले** में स्थित है। इसकी **स्थापना वर्ष 1975** में की गई और **वर्ष 2009 में इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया**।
- यह बृहद **अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिज़र्व** का हिस्सा है।
- इसमें **कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व को जोड़ने वाला एक गलियारा** मौजूद है और यह इन रिज़र्वों के बीच बाघों के आवागमन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **नदी:**
  - इस रिज़र्व के ठीक बीच से **मनियारी नदी** बहती है, जो इस वन की जीवन रेखा है।
- **जनजाति:**
  - यहाँ बैगा जनजाति की बहुलता है, जो वन में वास करने वाला जनजाति समुदाय है जिसे **"विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG)"** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
  - रिज़र्व के प्रमुख क्षेत्र के 626 हेक्टेयर में 25 गाँव हैं, जिनमें से लगभग 75% जनसंख्या **बैगा जनजाति** की है।
- **वृक्ष:**
  - इसके अधिकांश क्षेत्र में **उष्णकटिबंधीय आद्र पर्णपाती वृक्ष** विस्तृत हैं।
- **वनस्पतिजात:**
  - **साल, बीजा, साजा, हल्दू, सागौन, तिनसा, धावरा, लेंडिया, खमर, बाँस** सहित औषधीय पौधों की 600 से अधिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- **प्राणिजात:**
  - इसमें **बाघ, तेंदुआ, बाइसन, उड़न गिलहरी, इंडियन जायंट स्क्विरेल, चिंकारा, वन्य कुत्ता, लकड़बग्घा, सांभर, चीतल** और पक्षियों की 150 से अधिक प्रजातियाँ शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

करेगुट्टालु पहाड़ी पर माओवादी विरोधी अभियान

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और छत्तीसगढ़ पुलिस ने हाल ही में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित **करेगुट्टालु पहाड़ी** पर **21 दिवसीय गहन** माओवादी विरोधी अभियान **का समापन किया।**

- **यह ऑपरेशन** वामपंथी उग्रवाद (LWE) **को खत्म करने और 31 मार्च, 2026 तक नक्सल मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने** के भारत के चल रहे संघर्ष में एक महत्त्वपूर्ण सफलता है।

मुख्य बिंदु

- **करेगुट्टालु पहाड़ी का सामरिक महत्त्व**
  - करेगुट्टालु पहाड़ी लगभग 60 किमी लंबी और 5-20 किमी चौड़ी एक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्र है, जो पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA) **जैसे प्रमुख माओवादी संगठनों के लिये एक गढ़ और एकीकृत कमान केंद्र बन गया था।**
  - यह क्षेत्र 300-350 सशस्त्र माओवादी कार्यकर्त्ताओं के लिये शरणस्थली के रूप में कार्य करता था, **जिसमें तकनीकी विभाग की हथियार निर्माण इकाइयाँ भी शामिल थीं,** जिससे क्षेत्र में लंबे समय तक विद्रोह जारी रहा।
  - माओवादी इसे **इसकी भौगोलिक स्थिति और दो राज्यों (छत्तीसगढ़ और तेलंगाना) से निकटता के कारण अभेद्य मानते थे,** जिससे सुरक्षा बलों के अभियान जटिल हो जाते थे।
- **ऑपरेशन के उद्देश्य और परिणाम**
  - इसका **प्राथमिक उद्देश्य करेगुट्टालु पहाड़ी पर केंद्रित शीर्ष माओवादी नेतृत्व को विस्थापित करना** तथा उनके एकीकृत सैन्य ढाँचे को ध्वस्त करना था।
  - इसे छत्तीसगढ़ में अब तक का **"सबसे बड़ा व्यापक और समन्वित माओवादी विरोधी अभियान" माना जा रहा है, जो दुर्गम माओवादी गढ़ों पर पुनः कब्ज़ा करने के लिये सुरक्षा बलों की क्षमता और संकल्प को दर्शाता है।**
  - इस अभियान के दौरान 21 दिनों में 21 मुठभेड़ें हुईं, **जिसके परिणामस्वरूप महिला कार्यकर्त्ताओं सहित कई माओवादी मारे गए।**
  - इस ऑपरेशन में ज़िला रिज़र्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स, **विशेष कार्य बल**, CRPF की **कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन (कोबरा) इकाई और राज्य पुलिस जैसी कई इकाइयों के समन्वित प्रयास शामिल थे,** जिससे अंतर-एजेंसी तालमेल का प्रदर्शन हुआ।

पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA)

- PLGA का **गठन 2 दिसंबर, 2000 को हुआ था।**
- **यह** भारत में प्रतिबंधित राजनीतिक संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की सशस्त्र शाखा के रूप में कार्य करता है।
- यह समूह लंबे समय तक चलने वाले जनयुद्ध के माध्यम से सरकार को उखाड़ फेंकना चाहता है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

- **प्रारंभ और विकास:**
  - CRPF की स्थापना वर्ष 1939 में रियासतों में राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति के जवाब में **क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में की गई थी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वर्ष 1949 में इस बल का **नाम बदलकर केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल कर दिया गया।**
- **तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने** CRPF के लिये एक बहुमुखी भूमिका की कल्पना की थी तथा इसके कार्यों को नव स्वतंत्र राष्ट्र की उभरती जरूरतों के साथ संरेखित किया था।

- **विशेष इकाइयाँ:**
  - CRPF में कई विशेष इकाइयाँ हैं, जिनमें **रैपिड एक्शन फोर्स (RAF), कमांडो बटालियन फॉर रिज़ोल्यूट एक्शन (कोबरा), वीआईपी सुरक्षा विंग और महिला बटालियन शामिल हैं।**

उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व (USTR) में वन्यजीव गतिविधियों में **उल्लेखनीय वृद्धि** दर्ज की गई है, जो इस **रिज़र्व** के **समृद्ध पारिस्थितिक आश्रयस्थल** में **परिवर्तन** को दर्शाती है।

मुख्य बिंदु

- **USTR के बारे में:**
  - यह छत्तीसगढ़ **के गरियाबंद और धमतरी ज़िलों में स्थित है। इसका गठन उदंती और सीतानदी वन्यजीव अभयारण्यों को मिलाकर किया गया था।**
  - यह **तीन प्रमुख नदियों- महानदी, सीतानदी और उदंती** का स्रोत है, जो छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों को जीवंत रखती हैं।
  - रिज़र्व के घने जंगल प्राकृतिक स्पंज की तरह काम करते हैं, वर्षा जल का भंडारण करते हैं और जैवविविधता के साथ-साथ कृषि को भी बढ़ावा देते हैं।
- **पारिस्थितिक विविधता:**
  - **इसमें** साल वृक्षों सहित विभिन्न प्रकार के **वन शामिल हैं।**
  - एशियाई जंगली भैंसा इस रिज़र्व में पाई जाने वाली एक प्रमुख लुप्तप्राय प्रजाति है।
  - बाघ के अलावा अन्य लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रजातियों में भारतीय भेड़िया, तेंदुआ, **सुस्त भालू, चूहा और हिरण** शामिल हैं।
- **सामरिक वन्यजीव गलियारा:**
  - USTR एक **प्रमुख बाघ गलियारे के रूप में कार्य करता है,** जो महाराष्ट्र के **गढ़चिरौली जंगलों और छत्तीसगढ़ के** इंद्रावती टाइगर रिज़र्व **को** ओडिशा के सुनाबेड़ा वन्यजीव अभयारण्य से जोड़ता है।
  - यह संबंध राज्य की सीमाओं के पार आनुवंशिक विविधता **और लंबी दूरी के पशु आवागमन का समर्थन करता है।**
- **राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा उपाय:**
- समुदाय-केंद्रित संरक्षण मॉडल:
  - **स्थानीय समुदाय, चरवाहा सम्मेलनों और** सामुदायिक वन संसाधन (CFR) **अधिकारों** की मान्यता जैसी भागीदारी पहलों के माध्यम से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
  - इन उपायों से विश्वास बढ़ा है, जिससे अवैध शिकार, **अवैध कटाई और** वनाग्नि **को रोकने में स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी हुई है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन:**
  - **'एलीफेंट अलर्ट ऐप'** हाथियों की गतिविधियों के बारे में पूर्व चेतावनी देने और उन पर नज़र रखने के लिये एक प्रभावी उपकरण बन गया है, जिससे **मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी आई है।**

नोट: वर्ष 2022 में, **छत्तीसगढ़ ओडिशा के बाद दूसरा** राज्य बन गया जिसने राष्ट्रीय उद्यान यानी **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अंदर CFR अधिकारों को मान्यता दी।**

इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - **यह छत्तीसगढ़ के बीजापुर ज़िले** में स्थित है।
  - इसकी **स्थापना 1981 में हुई थी** और इसे भारत के **प्रोजेक्ट टाइगर के तहत 1983 में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।**
  - इसका नाम **इंद्रावती नदी** के नाम पर रखा गया है, जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है और महाराष्ट्र के साथ रिज़र्व की उत्तरी सीमा बनाती है।
- **वनस्पति प्रवर्द्धन:** इसमें तीन प्रमुख वन प्रकार शामिल हैं:
  - सागौन सहित नम मिश्रित पर्णपाती वन।
  - सागौन रहित नम मिश्रित पर्णपाती वन।
  - दक्षिणी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन
- **वनस्पति:**
  - सामान्य वृक्ष प्रजातियों में **सागौन, अचार, कर्रा, कुल्लू, शीशम, सेमल, हल्दू, अर्जुन, बेल और जामुन शामिल हैं।**
- **जीव-जंतु:**
  - **यहाँ दुर्लभ जंगली भैंसों** की अंतिम आबादियों में से एक मौजूद है।
  - अन्य प्रजातियों में **नीलगाय, काला हिरण, सांभर, गौर, बाघ, तेंदुआ, चीतल, भालू आदि शामिल हैं।**

सामुदायिक वन संसाधन (CFR)

- **परिचय:**
  - यह **सामान्य वन भूमि** है, जिसे किसी विशेष समुदाय द्वारा स्थायी उपयोग के लिये पारंपरिक रूप से सुरक्षित और संरक्षित किया जाता है।
  - समुदाय द्वारा इसका उपयोग गाँव की पारंपरिक और प्रथागत सीमा के भीतर उपलब्ध संसाधनों तक पहुँच एवं ग्रामीण समुदायों के मामले में परिदृश्य के मौसमी उपयोग के लिये किया जाता है।
  - प्रत्येक CRF क्षेत्र में समुदाय और उसके पड़ोसी गाँवों द्वारा मान्यता प्राप्त पहचान योग्य स्थलों की एक प्रथागत सीमा होती है।

सामुदायिक वन संसाधन अधिकार:

- **अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम (आमतौर पर वन अधिकार अधिनियम या FRA के रूप में संदर्भित), 2006** की धारा 3 (1)(आई) के तहत सामुदायिक वन संसाधन अधिकार सामुदायिक वन संसाधनों को **"संरक्षण, पुनः उत्पन्न या संरक्षित या प्रबंधित" करने के अधिकार की मान्यता प्रदान करते हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट

चर्चा में क्यों ?

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के तहत छत्तीसगढ़ की नारायणपुर और बीजापुर ज़िलों की सीमा पर स्थित अबूझमाड़ क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने शीर्ष माओवादी नेता **नंबाला केशव राव** सहित **27 नक्सलियों** को मार गिराकर नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता प्राप्त की।

मुख्य बिंदु

ब्लैक फॉरेस्ट ऑपरेशन

- **परिचय:**
  - **ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट सबसे लंबा नक्सल विरोधी अभियान** था, **जिसे केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) और छत्तीसगढ़ पुलिस ने संयुक्त रूप से** 21 दिनों तक चलाया था।
  - यह ऑपरेशन **कर्रेगुट्टालु पहाड़ी (KGH) के आसपास शुरू किया गया,** जो छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित एक **नक्सली गढ़ है, जो इसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र बनाता है।**
  - **वर्ष 2022 में स्थापित** धाल्गाम **फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस ने** मिशन के लिये केंद्रीय कमांड हब के रूप में कार्य किया, जिससे चुनौतीपूर्ण इलाके में प्रभावी समन्वय और निरंतर परिचालन गति को सक्षम किया जा सका।
  - इस **अभियान के तहत** छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 गिरफ्तारियाँ हुईं और 84 लोगों ने आत्मसमर्पण किया।
- **महत्त्व:**
  - **तीन दशकों में पहली बार CPI-माओवादी के महासचिव स्तर के नेता को मार गिराया गया है,** जो नक्सल विरोधी अभियानों में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।
  - ऑपरेशन की सफलता **केंद्रीय और राज्य बलों के बीच बढ़े हुए सहयोग को दर्शाती है, जिसे** राज्य की सीमाओं के पार कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी और सैन्य समन्वय का समर्थन प्राप्त है।

नक्सलवाद से निपटने के लिये सरकारी उपाय

- **सुरक्षा एवं आतंकवाद विरोधी अभियान:**
  - **प्रमुख ऑपरेशन: ऑपरेशन स्टीपलचेज़** (1971) और ऑपरेशन ग्रीन हंट (2009) जैसे प्रमुख अभियानों में नक्सली नेटवर्क को समाप्त करने के लिये कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिज़ोल्यूट एक्शन) कमांडो सहित केंद्रीय और राज्य बलों द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई थी।
  - **विशेष बल: आंध्र प्रदेश में ग्रेहाउंड्स** और **छत्तीसगढ़ में बस्तरिया बटालियन** जैसी इकाइयों का गठन आदिवासी युवाओं की सक्रिय भागीदारी से किया गया, ताकि क्षेत्र-विशिष्ट आतंकवाद-रोधी प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।
  - **एकीकृत कमान तंत्र (2010):** इसकी स्थापना अंतर-राज्यीय समन्वय को बढ़ावा देने तथा वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों के बीच एकीकृत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिये की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- समाधान (SAMADHAN) पहल
  - ऑपरेशन 'समाधान' भारत में नक्सली समस्या को हल करने के लिये गृह मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक पहल है। समाधान से तात्पर्य है-
  - S-Smart leadership (कुशल नेतृत्व)
  - A-Aggressive strategy (आक्रामक रणनीति)
  - M-Motivation and training (अभिप्रेरणा एवं प्रशिक्षण)
  - A-Actionable intelligence (अभियोज्य गुप्तचर व्यवस्था)
  - D-Dashbord based key performance indicators and key result area (कार्ययोजना आधारित प्रदर्शन सूचकांक एवं परिणामोन्मुखी क्षेत्र)
  - H-Harnessing technology (कारगर प्रौद्योगिकी)
  - A-Action plan for each threat (प्रत्येक रणनीति की कार्ययोजना)
  - N-No access to financing (नक्सलियों के वित्त-पोषण को विफल करने की रणनीति)
- **बुनियादी ढाँचा विकास:**
  - **वर्ष** 2016 में शुरू की गई वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिये **सड़क आवश्यकता योजना-I (RRP-I)** का उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क संपर्क में सुधार करना है।
  - **स्थानीय कानून प्रवर्तन को मज़बूत करने के एक हिस्से के रूप में, विशेष अवसंरचना योजना (SIS)** के तहत राज्य के संवेदनशील ज़िलों में कई किलेबंद पुलिस स्टेशनों का निर्माण किया गया है।
- **कौशल विकास और रोज़गार सृजन:**
  - **रोशनी योजना:** वामपंथी उग्रवाद प्रभावित ज़िलों में युवाओं के लिये कौशल विकास और रोज़गार से जुड़े प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करती है।
  - **ITI की स्थापना:** व्यावसायिक कौशल बढ़ाने और स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा देने के लिये औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किये गए हैं।
- **सामाजिक-आर्थिक और विकासात्मक पहल:**
  - **वन अधिकार अधिनियम (2006): यह अधिनियम** जनजातीय समुदायों के भूमि और वन अधिकारों **को** मान्यता देता है, दीर्घकालिक शिकायतों का समाधान करता है तथा स्थानीय शासन को सशक्त बनाता है।
  - **नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम (CAP):** इसका उद्देश्य कल्याणकारी गतिविधियों और जन जागरूकता के माध्यम से सुरक्षा बलों और स्थानीय आबादी के बीच विश्वास का निर्माण करना है।
  - **आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम (ADP): वर्ष** 2018 में शुरू किया गया, इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढाँचे और शासन मानकों में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित ज़िलों को बदलना है।
- **GIS मैपिंग के माध्यम से डेटा-संचालित शासन:**
  - **GIS-आधारित योजना:** सरकार **वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों** में आवश्यक सेवाओं- स्कूल, बैंक, डाकघर, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और पुलिस स्टेशन का मानचित्रण करने के लिये GIS प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही है, जिससे लक्षित विकास तथा सुरक्षा हस्तक्षेप संभव हो सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

माओवादी नेता- नंबाला केशव राव

- उन्होंने CPI-माओवादी **के महासचिव के रूप में कार्य किया** और विद्रोही नेतृत्व में सर्वोच्च पद पर रहे।
- **वे गुरिल्ला युद्ध** में अपनी विशेषज्ञता के लिये जाने जाते थे, जिसमें जंगल युद्ध रणनीति और इंप्रोवाइज़्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) बनाना शामिल था।
- वे **2010 के दंतेवाड़ा नरसंहार का मास्टरमाइंड थे,** जिसके परिणामस्वरूप 76 CRPF के **जवानों** की मृत्यु हुई थी।

लाल गलियारा

- **यह** भारत के **मध्य**, **पूर्वी** और **दक्षिणी** हिस्सों का वह क्षेत्र है, जो **नक्सलवाद-माओवादी उग्रवाद** से गंभीर रूप से प्रभावित है।
- इसमें **छत्तीसगढ़**, **झारखंड**, **ओडिशा**, **बिहार**, **पश्चिम बंगाल**, **आंध्र प्रदेश**, **तेलंगाना**, **महाराष्ट्र**, **मध्य प्रदेश** और **केरल** राज्य शामिल हैं।

पोलावरम परियोजना

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने पोलावरम परियोजना **पर** चर्चा के लिये **आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों** के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्य बिंदु

- **पोलावरम सिंचाई परियोजना:**
  - पोलावरम परियोजना आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी पर पोलावरम गाँव के पास स्थित है।
  - यह एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है क्योंकि एक बार पूर्ण होने के बाद यह परियोजना सिंचाई संबंधी लाभ प्रदान करेगी तथा जल विद्युत उत्पन्न करेगी।
  - इसके अलावा यह परियोजना पेयजल की आपूर्ति भी करेगी।
  - इस परियोजना के दाईं ओर स्थित नहर से कृष्णा नदी बेसिन हेतु अंतर-बेसिन हस्तांतरण (Inter-Basin Transfer) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
  - इस परियोजना के परोक्ष लाभ भी होंगे जैसे- मत्स्य पालन (मछली का प्रजनन और पालन), पर्यटन और शहरीकरण।
  - वर्ष 2014 में **आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा-90** के तहत केंद्र सरकार द्वारा परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया गया है।
- **पृष्ठभूमि एवं संबंधित मुद्दे:**
  - उच्च स्तरीय विचार-विमर्श के कई दौर के बावजूद, राज्य **पोलावरम परियोजना पर** अंतर-राज्यीय विवादों **को सुलझाने में विफल रहे हैं।**
  - ओडिशा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना ने परियोजना के विभिन्न पहलुओं, जैसे विनियामक अनुपालन मुद्दे, जनजातीय समुदायों पर प्रभाव आदि को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय **में याचिकाएँ दायर की हैं।**
  - आंध्र प्रदेश ने जलमग्नता की स्थिति का सामना कर रहे गाँवों की सुरक्षा के लिये **एक रिटेनिंग दीवार के निर्माण का प्रस्ताव रखा।**
  - हालाँकि, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ने **भूमि अधिग्रहण और अपर्याप्त पुनर्वास उपायों के संबंध में आपत्तियाँ उठाईं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गोदावरी नदी

- गोदावरी **सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली** है। इसे **दक्षिण गंगा** भी कहते हैं।
- इसका बेसिन उत्तर में **सतमाला** पहाड़ियों, दक्षिण में **अजंता** श्रेणी और **महादेव** पहाड़ियों, पूर्व में पूर्वी घाट और पश्चिम में पश्चिमी घाट से घिरा हुआ है।
- **उद्गम:**
  - गोदावरी नदी **महाराष्ट्र में नासिक के पास त्र्यंबकेश्वर** से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले लगभग **1465 किमी. की दूरी** तय करती है।
- **अपवाह तंत्र:**
  - गोदावरी बेसिन महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों के अलावा मध्य प्रदेश, कर्नाटक तथा पुदुचेरी के मध्य क्षेत्र के छोटे हिस्सों में फैला हुआ है।
- **सहायक नदियाँ:**
  - प्रवरा, पूर्णा, मंजरा, पेनगंगा, वर्धा, वैनगंगा, प्राणहिता (वेनगंगा, पेनगंगा, वर्धा का संयुक्त प्रवाह), इंद्रावती, मनेर और सबरी।
  - **सांस्कृतिक महत्त्व:** कुंभ मेला नासिक में **गोदावरी नदी** के तट पर आयोजित किया जाता है।
- **गोदावरी पर महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ:**
  - पोलावरम सिंचाई परियोजना।
  - कालेश्वरम।
  - गोदावरी नदी पर स्थित सदरमट एनीकट नामक दो सिंचाई परियोजनाओं को सिंचाई एवं जल निकासी पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग' (WHIS) द्वारा धरोहर सिंचाई संरचना (Heritage Irrigation Structures) स्थल के रूप में मान्यता दी गई है।
  - **इंचमपल्ली:** इंचमपल्ली परियोजना गोदावरी नदी पर प्रस्तावित है, यह परियोजना आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी तथा इंद्रावती के संगम के पास 12 किमी. अनुप्रवाह पर स्थित है।
    - यह महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों की एक संयुक्त परियोजना है।
  - **श्रीराम सागर परियोजना:** श्रीराम सागर परियोजना एक बहुउद्देशीय परियोजना है, जो तेलंगाना के निज़ामाबाद ज़िले में पोचमपाद के पास गोदावरी नदी पर स्थित है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME